सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 10 अंक : 30 | इंदौर, शनिवार 10 अगस्त, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. PM Modi in Wayanad: केरल पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भूस्खलन प्रभावित इलाकों का करेंगे दौरा
2. Gaza War: गाजा में स्कूल पर इस्राइल की एयर स्ट्राइक, 100 से ज्यादा की मौत, हमास का कमांड सेंटर होने का आरोप
3. West Bengal: सरकारी अस्पताल में महिला डॉक्टर की हत्या के मामले में एक गिरफ्तार, पिता ने किया दुष्कर्म का दावा
4. Bangladesh: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का मामला यूएन पहुंचा, एनजीओ हिंदू एक्शन की रैली

व्यापमं कांड के आरोपी कांस्टेबल थानों में कर रहे ड्यूटी

एसटीएफ की इंदौर इकाई का नोटिस आया तो हुआ खुलासा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित व्यापमं घोटाले के आरोपी आरक्षक थानों में ड्यूटी कर रहे हैं। ग्वालियर के दो थानों की पोल तो तब खुल गई जब एसटीएफ की इंदौर इकाई का नोटिस आया। इसमें एक आरक्षक को धारा 41 के तहत हाजिर होने के लिए नोटिस जारी किया गया था।

तब सामने आया कि वह व्यापमं कांड में आरोपी है और उसने रुपये बतौर साल्वर किसी दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देकर उसे परीक्षा उत्तीर्ण करवाई थी। जिस अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दी थी, वह भी ग्वालियर में ही पदस्थ है।

दूसरे की जगह दी परीक्षा

जब यह गड़बड़झाला खुला तो आनन-फानन में एक आरक्षक को लाइन हाजिर कर दिया गया। ग्वालियर थाने में पदस्थ आरक्षक प्रदीप जादौन व्यापमं कांड में आरोपित है। उसने आरक्षक देवेश पचौरी के स्थान पर 2012 में व्यापमं द्वारा आयोजित आरक्षक भर्ती लिखित परीक्षा दी थी। इसमें उत्तीर्ण होकर देवेश ने नौकरी भी हासिल कर ली। देवेश अभी जनकगंज थाने में पदस्थ है, जबकि प्रदीप ग्वालियर थाने में पदस्थ है।

पोल खुली तो लाइन अटैच कर दिया

प्रदीप जादौन को दो दिन में हाजिर होने के लिए एसटीएफ की इंदौर इकाई से धारा 41 का नोटिस आया। इसके बाद पोल खुली तो अधिकारियों ने अपना पल्ला झाड़ते हुए उसे लाइन रवानगी दे दी। गुरुवार शाम को ही उसे लाइन रवाना कर दिया गया।

पुलिसकर्मियों में मची खलबली

इसके बाद देवेश के बारे में पता किया गया तो वह जनकगंज थाने में पदस्थ है। उसे इस मामले में अग्रिम जमानत जरूर मिल गई है, लेकिन अब भी व्यापमं कांड का आरोपित है। शुक्रवार को जब देवेश के बारे में पता लगा तो थाना प्रभारी से लेकर अन्य पुलिसकर्मियों में खलबली मच गई।

आपराधकि प्रकरण दर्ज तो थाने में पदस्थापना मिल नहीं सकती– जानकार बताते हैं कि कोई पुलिस अधिकारी हो या पुलिसकर्मी। अगर उस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज है तो थाने में पदस्थापना मिल ही नहीं सकती। वहीं ग्वालियर में तो व्यापमं कांड के अन्य आरोपित पुलिसकर्मी बर्खास्त तक हो चुके हैं। ऐसे में यह दोनों पुलिसकर्मी किसकी मेहरबानी से थाने में शान से नौकरी कर रहे थे, इसे लेकर तमाम चर्चाएं चल रही हैं।

चार महीने पहले हुई पदस्थापना

चार महीने पहले ही आरक्षक प्रदीप जादौन की पदस्थापना ग्वालियर थाने में हुई। इससे पहले वह डीएसपी संतोष पटेल के आफिस में पदस्थ रहा। जब डीएसपी संतोष पटेल एसडीओपी घाटीगांव थे, तब वह इन्हीं के आफिस में पदस्थ था। अब सवाल है कि जब उस पर आपराधिक प्रकरण दर्ज था तो किस तरह पूरे सिस्टम की आंख में धूल झोंककर वह लगातार पदस्थापना लेता रहा।

रायसेन में नागों की अदालत

ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने किए नागचंद्रेश्वर के दर्शन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन, (एजेंसी)। नागपंचमी पर उज्जैन में महाकाल मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। सबसे पहले श्री पंचायती महानिवार्णी अखाड़े के महंत विनीत गिरि महाराज और श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा की।

करीब एक घंटे चली त्रिकाल पूजा और भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नाग पंचमी पर साल में एक बार ही खुलते हैं।

अब तक ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु नागचंद्रेश्वर के दर्शन कर चुके । करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान है।

बाबा का 101 लीटर दूध से अभिषेक- बड़वानी के सेंधवा में भीलटदेव मंदिर में बाबा का 101 लीटर दूध से अभिषेक किया गया। 108 व्यंजनों का भोग लगाकर सुबह 4 बजे महाआरती की गई। खंडवा के ओंकारेश्वर, पचमढ़ी के नागद्वारी, छतरपुर में जटाशंकर मंदिर और दमोह के बांदकपुर में जागेश्वरनाथ मंदिर में लगातार भक्त पहुंच रहे हैं।

रायसेन जिले के श्री रामरसिया धाम, सीहोरा खुर्द में नागों की अदालत लगी। इस अनोखी अदालत में सर्पदंश से पीड़ित लोग पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां उनके शरीर में नाग की आत्मा प्रवेश करती है और सर्पदंश का कारण बताती है।

अभिनेता राजपाल यादव ने किए दर्शन

बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव नाग पंचमी के मौके पर शुक्रवार को उज्जैन पहुंचे। राजपाल ने गर्भ गृह के बाहर से बाबा महाकाल के दर्शन किए। नंदी हॉल में ध्यान भी लगाया। इसके बाद नागचंद्रेश्वर भगवान के भी दर्शन किए। उनके साथ सीएम डॉ. मोहन यादव के भतीजे अभय यादव थे।

छतरपुर के जटाशंकर धाम में भोले का अभिषेक

छतरपुर का प्रसिद्ध जटाशंकर धाम जिला मुख्यालय से 58 किलोमीटर दूर है। बुंदेलखंड का केदारनाथ कहे जाने वाले जटाशंकर धाम में नाग पंचमी पर भगवा भोले का अभिषेक-पूजन करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

पचमढ़ी में नागदेव गुफा के दर्शन कर रहे श्रद्धालु- नर्मदापुरम में पचमढ़ी के नागद्वारी मेले में सवा लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे ।

राजगढ़ के नाग मंदिरों में दूध से अभिषेक- राजगढ़ जिले में नरसिंहगढ़ के नाग मंदिरों में भी सुबह से भक्त पहुंच रहे हैं। तहसील रोड पर गोप चौहान बाबा नागदेव मंदिर और बलबटपुरा के नाग मंदिर में नागदेवता का दूध से अभिषेक किया गया।

जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यों की संभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

योजना संबंधित भ्रांतियों को दूर करने हेतु किए जाए विशेष प्रयास : सचिव पीएचई : पी नरहरि

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं जल जीवन मिशन के तहत संभाग के विभिन्न जिलों में हो रहे कार्यों की प्रगति के संबंध में संभागीय समीक्षा बैठक आज इंदौर में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पी नरहरि ने की। बैठक में पीएचई के प्रमुख अभियंत केके सोनगरिया, संभागायुक्त दीपक सिंह, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश जल निगम केवीएस चौधरी, अतिरिक्त प्रबंध संचालक जल निगम बाला गुरू, संभाग के विभिन्न जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, पीएचई के अधिकारीगण, अधीक्षण यंत्री सहायक यंत्री आदि उपस्थित थे।

बैठक में श्री नरहरि ने निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन अंतर्गत सिंगल विलैज एवं मल्टी विलेज योजनाओं एवं कार्यों के क्रियान्वयन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों को विस्तृत रूप से बताई जाये। प्रत्येक जिले में 15 अगस्त से पूर्व जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी से समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों को अवगत कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर संवाद की कमी ना हो। जल जीवन मिशन कार्यों संबंधित भ्रांतियों को दूर किये जाने हेतु विशेष प्रयास सुनिश्चित किये जाए। मैदानी स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। जिला योजना समिति की बैठक में प्रमुखता से जल जीवन मिशन के तहत स्वीकृत कार्यों तथा अब तक की प्रगति से अवगत कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना अंतर्गत कार्यों को प्राथमिकता और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाए। मिशन मोड में जल जीवन मिशन के कार्यों को पूरा कराने के लिए अधिकारी एवं कर्मचारी अधिक से अधिक मैदानी स्तर पर रहते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग करें। बैठक में पीएचई के प्रमुख अभियंताकेके सोनगरिया ने एकल ग्राम और समूह ग्राम योजनाओं की जिलेवार प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि एफएचटीसी कार्य गंभीरता और सावधानी पूर्वक किया जाए। इसके लिए श्री लेवल वेरिफिकेशन किया जाए। उन्होंने योजनावार जल प्राप्ति सोर्स की सस्टेनेबिलिटी हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। धार जिले में मिशन अंतर्गत सिंगल ग्राम योजनाओं को दिसंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मिशन अंतर्गत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

नए ग्रिडों से बिजली क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी

एमडी तोमर ने किया आरडीएसएस के कार्यों का निरीक्षण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री अमित तोमर शुक्रवार को बड़वानी जिले का दौरा किया। उन्होंने दवाना और तलवाड़ा डेब बिजली वितरण केंद्र के अधीन ग्रामीण क्षेत्र के कुआं और लोहारा में आरडीएसएस के कार्यों का निरीक्षण किया और इन कार्यों से होने वाले सकारात्मक बदलाव को लेकर बिजली अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि बड़वानी जिले में जारी वित्तीय वर्ष के दौरान 33/11 केवी के नए 5 ग्रिडों से बिजली मिलने लगेगी। कुल 25 मैगावाट क्षमता का विस्तार होगा। इनमें सिवई ग्रिड से बिजली आपूर्ति होने लगी है। शेष चार ग्रिड बावनगजा, अजगरिया, कालापाट, कोलकी के ग्रिडों को जल्दी ही पूर्ण करने को कहा गया है। जिले में आरडीएसएस, एसएसटीडी योजना के तहत ग्रिड, लाइन, ट्रांसफार्मर, पोल, स्मार्ट मीटर इत्यादि के कार्य प्रगति पर है। श्री तोमर ने बड़वानी शहर में शैगांव हनुमान मंदिर परिसर में उत्साहपूर्वक पौधरोपण भी किया। इस अवसर पर बड़वानी के अधीक्षण यंत्री श्री दाधीचि रेवड़िया, कार्यपालन यंत्री श्री एसआर खरते, आरडीएसएस के कार्य से संबंधित एजेंसी के पदाधिकारी आदि प्रमुख रूप से मौजूद थे।

शहर में थाईलैंड शॉपिंग फेस्टिवल की धूम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। थाईलैंड शॉपिंग फेस्टिवल 11 अगस्त तक अभय प्रशाल स्टेडियम में शुरू हो चुका है। इंदौर थाईलैंड शॉपिंग फेस्टिवल सुबह 10:00 बजे से रात्रि 9:00 तक जारी रहेगा, इस फेस्टिवल में थाईलैंड की 100 से अधिक उत्पादन शामिल हैं। इन उत्पादों में सजावटी सामान, परिधान, सहायक उपकरण, कॉस्ट्यूम ज्वेलरी, हैंडबैग और जूते शामिल हैं। थाई सिल्क उत्पाद, अगरबत्ती, मोमबत्ती, लालटेन, हर्बल और स्पा सौंदर्य प्रसाधन और भी बहुत कुछ। थाईलैंड, जीवंत संस्कृति और प्रसिद्ध नाइटलाइफ का शहर पूरे साल बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सौंदर्य प्रसाधन और कपड़ों में किफायती विकल्प हर किसी के खरीदारी के अनुभव को सार्थक बनाते हैं। थाईलैंड में खरीदारी के लिए भारतीयों के आकर्षण को ध्यान में रखते हुए, थाईलैंड शॉपिंग फेस्टिवल इंदौर में देश विदेश के 25 हजार से ज्यादा वस्तु देखने और खरीदने का मौका मिल रहा है। थाईलैंड के साथ बांग्लादेश कोरिया दुबई ईरान अफगानिस्तान और तुर्की के स्टाल लगे हुए हैं।

स्टेट प्रेस क्लब के मांडव टूर के कार्यक्रम में श्री खारीवाल का सचिन नीमा ने किया स्वागत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पत्रकारों के हित मे सदैव कार्य करने वाली संस्था 'स्टेट प्रेस क्लब'द्वारा शुक्रवार को मांडव टूर आयोजित किया गया था जिसमें शहर के अलावा ग्रामीण अंचल के पत्रकारों ने भी हिस्सा लिया। इंदौर से सावन की फुहारों के बीच निकले पत्रकारों के काफिले का पहला पड़ाव घाटाबिल्लौद का राधेकृष्ण कृष्ण गार्डन रहा जहाँ पर झंडावंदन व राष्ट्र गीत का आयोजन किया गया व नाश्ते के बाद सभी बन्धु मांडव की सुरम्य वादियों में स्थित 'रैनबसेरा'कॉटेज पहुँचे जहाँ पर सभी ने एक से बढ़कर एक शानदार नग़मे सुनाए व भुट्टों व ककड़ी का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रमुख हिन्दी अखबार 'आदित्य की आवाज़'परिवार द्वारा स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण जी खारीवाल (कप्तान) का केशरिया दुप्पटा ओढा कर स्वागत किया गया व इस शानदार आयोजन के लिये बधाई प्रेषित की गई। इस अवसर पर दिपक पाठक, बी.एल.खेर,अजय भट्ट, चेतन गंधे, बालकृष्ण जी, प्रवीण धनोतिया, योगेश जी सहित अनेकों पत्रकार उपस्थित थे। सभी ने इस सफ़ल आयोजन की पूरी टीम को बधाई दी।

17 साल में 50 बार रक्तदान कर पेश की मिसाल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आपकी बेटी सेवादार फाउंडेशन की प्रमुख इंदौर निवासी तरनजीत कौर द्वारा आज वाहेगुरुजी के आशीर्वाद से 50 बार रक्तदान कर के समाज में अद्भुत मिसाल पेश की है। महिला होने के बावजूद लगातार 17 सालों से उनके द्वार रक्तदान किया जा रहा है। तरनजीत कौर ने इस मिथ्या को दूर किया है कि महिलाओं का शरीर रक्तदान हेतु उपयुक्त नहीं है। बल्कि महिलाएं आसान से रक्तदान कर सकती हैं। मासिक धर्म, प्रसव वेदना के बावजूद महिलाओं को रक्तदान करते रहना चाहिए। एक माँ की उम्र उसके बच्चे को नहीं बचा सकती है पर आपका एक रक्तदान किसी को जीवनदान दे सकता है। तरनजीत कौर द्वारा थैलेसिमिया फाइटर बच्चों के लिए रक्त देना एवं रक्त से जुड़ी हर व्यवस्था शुरू किया और रक्तदान शिविरों में महिलाओ की भागीदारी बढ़ाने के लिए संबन्धित क्षेत्रों में जाकर महिलाओ को रक्तदान के लाभ बताकर के रक्तदान की मुहीम से जोड़ा।

अखंड रामायण पाठ जारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नवरत्न बाग स्थित श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर में महंत मंगलदास महाराज खाकी के सानिध्य में हो अखण्ड रामायण पाठ जारी है। दिन और रात मन्दिर में रामायण के दोहे और चौपाइया गूंज रही है। मीडिया प्रभारी प्रवीण जोशी ने बताया कि सावन मास में चौबिसो घंटे अखण्ड रामायण पाठ चल रहा है। इसकी शुरूआत गुरु पूर्णिमा से हुई थी, समापन रक्षाबंधन पर होगा।

बिना सर्जरी के दिल के मरीज को दिया जीवनदान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **आधुनिक तकनीक से न केवल गंभीर बीमारियों के इलाज संभव हो गए है बल्कि सर्जरी तक बिना चीर-फाड़ किए हो रही है। ऐसा ही एक कीर्तिमान केयर सीएचएल हॉस्पिटल के डॉक्टर मनीष पोरवाल ने बनाया है। उन्होंने दिल की कृत्रिम माइट्रल वाल्व को आधुनिक तकनीक से बिना सर्जरी के इंप्लांट कर दिया है। यह सेंट्रल इंडिया में संभवतः पहली बार हुआ है।**

72 वर्षीय रमेशचंद्र शर्मा पिछले 8 सालों से दिल की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। 25 जुलाई को डॉ. मनीष पोरवाल एवं उनकी टीम, डॉ. नितिन मोदी, डॉ. विजय महाजन, डॉ. पुनीत गोयल, डॉ. सुनील शर्मा, डॉ. अरविंद रघुवंशी, डॉ. राजेश कुकरेजा और डॉ. करण पोरवाल द्वारा 4 मिमी के सुराख से ट्रांस माइट्रल वाल्व रिप्लेसमेंट किया गया। इसलिए हमने सर्जरी न करते हुए आधुनिक पद्धति का इस्तेमाल कर एक और कृत्रिम वाल्व मरीज के दिल में समाविष्ट किया है। इस काम में केयर सीएचएल के मैनेजमेंट की तरफ से भी मनीष गुप्ता और उनकी टीम का भी सहयोग रहा। इस सफल प्रक्रिया ने न केवल मरीज को नया जीवन दिया है, बल्कि यह साबित कर दिया है कि आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के जरिए गंभीर दिल की बीमारियों का इलाज बिना बड़े ऑपरेशन के बिना भी संभव है। इसमें रिस्क तो न के बराबर ही होता है, साथ ही समय की भी बचत होती है।

देपालपुर नगर में लगा गंदगी का अंबार

कचरा ढेर के पास सब्जी का ठेला लगाने को मजबूर व्यापारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

देपालपुर। गत दिनों इंदौर नाका से बेटमा रोड तक यातायात सुधारने के लिए सब्जी दुकानदारों को जगह उपलब्ध करवाने के लिए खाडी पर साफ सफाई करने एवं जगह को समतल करने के निर्देश एसडीएम रवि वर्मा द्वारा सीएमओ नगर पंचायत को नगर के जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक व्यापारी पत्रकारों के सामने दिए थे। लेकिन एक सप्ताह से ज्यादा होने को आए नगर परिषद के सीएमओ नगर के सभी लोगों को दिए गए आश्वासन पर खरे नहीं उतरे आज भी वहां गंदगी का अंबार लगा हुआ है कचरे का ढेर लगा वही गंदगी की जगह में सब्जी विक्रेता सब्जी बेच रहे हैं जो बीमारियों को निमंत्रण देगा लेकिन नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी इतने लापरवाह है कि अभी तक उन्होंने मौके पर जाकर व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया यहां तक की कुछ सब्जी विक्रेता स्वयं के पैसे से ईट के टुकड़े पत्थर रखकर सब्जी का व्यापार कर रहे है गंदगी में मजबूरी वश जगह नहीं मिलने के कारण सब्जियां बेच रहे हैं गंदगी के कारण इतनी बदबू आती है सब्जी व्यापारियों का बैठना दुसावर हो गया है

आख़िर क्या वजह है स्वच्छता की ओर देपालपुर नगर परिषद सीएमओ का ध्यान नहीं है एक तरफ इन्दौर को स्वच्छता को लेकर बड़े-बड़े अवॉर्ड मिले हैं लेकिन इन्दौर जिले के देपालपुर तहसील के हालात स्वच्छता में खराब दिखाई दे रही है जिम्मेदार अधिकारियों का जमीनी स्तर पर कोई ध्यान नहीं है नगर के चौराहे पर शौचालय में भी गंदगी अंबार लगा है।

ससुर का मकान गिरवी रखकर खोली दुकान

धंधा नहीं चला तो बंद कर चला गया गांव, पत्नी की शिकायत पर प्रकरण दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अन्नपूर्णा पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके पति और सास पर दहेज प्रताडना और पति द्वारा रुपए नहीं देने के मामले में केस दर्ज किया है। पीडिता ने बताया कि उसके पति पर्सनल लोन और पिता के मकान की मौर्टगे'ड लोन की किश्तें उसे भरना पड़ रही है। अन्नपूर्णा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में रहने वाली राधिका बजाज अपने माता पिता के साथ थाने आई। उसने अपने पति कृष्णा बजाज और सास मधुबाला बजाज पर केस दर्ज कराया है। राधिका ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि जुलाई 2018 में उसकी शादी सोनकछ में रहने वाले कृष्णा से हुई। वह इंदौर के मोती तबेला इलाके में रहने आ गए। शादी के 2 माह बाद पति ने कहां कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक्स के काम को आगे बढाना है। इसके लिये रूपए चाहिए। अपने माता पिता से रूपए की बात करो। पीडिता ने इनकार कर दिया। सास ने कहां कि तुम्हें जेवर चोरी के केस में फंसा देंगे। अगर यह बात परिवार को बताई तो ठीक नही होगा। इस दौरान शादी में दिए गए सारे जेवर सास ने अपने पास रखे। पति ने काफी दबाव बनाया। जिसमें क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन से करीब 15 लाख रूपए पति ने निकाले। इसके बाद पिता पदम के नाम से एक मकान पर 21 लाख का मौर्टगे'ड लोन लिया। वह भी पति ने अपने पास रखा। इसके बाद नरेन्द्र तिवारी मार्ग अन्नपूर्णा रोड़ पर इलेक्ट्रानिक की दुकान डाली। जिसे बाद में बंद कर दिया। कुछ दिन पहले पति गांव चले गए। वह इंदौर में राधिका को लेने नही आए। पति से बात की तो उन्होंने बात नही की। इसके बाद कहां कि उन्हें ओर रूपए चाहिए। वह मानसिक रूप से काफी परेशान कर रहे है। सभी लोन की किश्तें भी राधिका द्वारा भरी जा रही है। परेशान होकर शिकायत करने के बाद पुलिस में केस दर्ज कराया है।

सबसे ज्यादा बच्चियां बाणगंगा, लसूड़िया, चंदन नगर, आजाद नगर थाना क्षेत्र से गुम हुई

इंदौर। नाबालिग बच्चियों के अपहरण में चौंकाने वाला आंकड़ा सामने आया है। सबसे ज्यादा बच्चियां बाणगंगा, लसूड़िया, चंदन नगर, आजाद नगर थाना क्षेत्र से गुम हुई हैं। यह खुलासा आईपीएस कृष्ण लालचंदानी की रिपोर्ट में हुआ है। पुलिस ने चारों जोन के 15 थानों को चिह्नित कर हॉट स्पाट बनाए हैं। इन क्षेत्रों में एनजीओ, आंगनवाड़ी, महिला बाल विकास विभाग और रहवासियों की मदद से जागरूकता अभियान की शुरुआत की जा रही है। पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता के मुताबिक, बच्चियों के अपहरण की घटनाओं को रोकने की कवायद की जा रही है।विजय नगर एसीपी कृष्ण लालचंदानी ने पूरे शहर की रिपोर्ट बनवाई थी। इसके विश्लेषण में पता चला कि बच्चियां पूरे शहर से लापता हो रही हैं। पुलिस ने आंकड़ों के आधार पर हॉट स्पाट चिह्नित किए हैं। यहां जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

बहू देर से उठी तो सास ने पीटा

इंदौर। डायमंड पैलेस कालोनी में रहने वाली एक महिला को उसकी सास और देवर ने पीट दिया। बताया जाता है कि देर से सोकर उठने की बात पर सास से विवाद हो गया। इसी विवाद में आरोपियों ने बहू की पिटाई कर दी। वंदना पति समीर शिंदे (25) निवासी डायमंड पैलेस कालोनी की शिकायत पर शैलेश और अलका के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होने पुलिस को बताया कि वह सुबह सोकर उठी तो सास अलका बोली की तू इतनी देर तक सोकर उठेगी तो काम कब करेगी। इसी पर उन्हें बोला कि मुझे चक्कर आ रहे है तबी मेरा देवर शैलेश भी वहीं आ गया। सास और देवर दोनों गाली गलौज करना शुरू कर दिया। उसे बोला कि घर कि बहू को इतनी जोर जोर से गाली गलौज कर रहे हो। आवाज बाहर जा रही है लोग क्या कहेंगे। इसपर आरोपियों ने उसके साथ में मारपीट कर दी किसी तरह से पुलिस के पास में पहुंची और केस दर्ज कराया है।

दहेज के लिए प्रताड़ित- महिला को दहेज के लिए प्रताडित करने का मामला सामने आया है। अंजली भवानी (22) निवाीस श्री रामनगर की शिकायत पर पति शिव और कालू के खिलाफ केस दर्ज किया है।

गांजा तस्कर पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हीरानगर पुलिस ने गांजा की तस्करी करने वाले एक बदमाश को पुलिस ने गिर तार कर लिया है। आरोपी जल्द ही अमरी बनने की चाह में नशा बेचने लगा था। हीरानगर टीआई पीएल शर्मा ने बताया कि संदिग्धों की चैकिंग के दौरान एमआर-10 पर एक मोटरसाइकिल लेकर खड़ा दिखा जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकडा। आरोपी का नाम अभिषेक यादव निवासी बाणगंगा है। भागने के संबंध में पूछताछ की गई तो कोई संतोष जनक जवाब नहीं दे पाया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक किलो 7& ग्राम गांजा मिला। मोटरसाइकिल को भई जब्त किया गया। आरोपी से अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोतों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। जिससे अन्य आरोपियों के भी पकड़े जाने की संभावना है। आरोपी के पूर्व की आपराधिक गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। आरोपी जल्द अमीर बनने की चाह में नशा बेचने लगा था। उसने अपनी असली पहचान छुपाकर किराए के मकान में रह रहा था ताकि पुलिस उसके घर तक पहुंचे तो उसके बारे में जानकारी नहीं मिल सके।

गोदाम से महंगे मोबाइल चोरी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एमआईजी पुलिस ने राजेश सोलंकी (45) निवासी कल्पना लोक कालोनी साकेत नगर की रिपोर्ट पर चोरी का केस दर्ज किया है। फरियादी के गोदाम से मोबाइल फोन चोरी हो गए। पुलिस ने बताया कि मालवीय नगर चौराहे पर सीपीआर डिस्ट्रीब्यूटर के नाम से मोबाइल कंपनी का गोदाम है। 1 जनवरी से &0 जुलाई 2024 तक जब फरियादी ने गोदाम का आडिट चेक किया तो उसमें छह एपल कंपनी के मोबाइल,14 वन प्लस के,छह वीवो कंपनी के फोन गायब थे। इनकी कीमत लाखों में बताई गई है। फरियादी ने थाने में आवेदन दिया था जिसकी जांच के बाद केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को शक है कि कर्मचारियों ने ही मोबाइल गायब किए हैं वहां पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं जिसके फुटेज देखे जा रहे हैं।

युवक की मौत में केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। काम के दौरान करंट लगने से युवक की मौत होने के मामले में पुलिस ने जि मेदार के खिलाफ केस दर्ज किया है। हीरानगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मामला न्यू गौरीन नगर खातीपुरा का है। ग्राम अलवासा में रहने वाला जितेंद्र पिता विक्रमसिंह चौहान कंस्ट्रक्शन के काम से जुड़ा था। उक्त युवक दो जून को अपना काम कर रहा था तभी करंट की चपेट में आ गया।करंट लगने से जितेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया उसे उसके दोस्त दीपक कुशवाह इलाज के लिए अस्पताल लेकर पुहंचा। इलाज के दौरान जितेंद्र ने दम तोड़ दिया था। पुलिस ने जांच में मजदूरों की सुरक्षा के पु ता इंतजाम न करने वाले जि मेदार विकास निवासी न्यू गौरी नगर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

युवती से हरकत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ में आरोपी ने अश्लील हरकत की है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर पृथ्वी चौहान निवासी बड़वानी के खिलाफ केस दर्ज किया है। युवती ने पुलिस को बताया कि वह आरोपी को पहले से जानती है। फोन पर उससे बात होती थी। कुछ समय बाद आरोपी से बात करना बंद कर दी। उसके बाद आरोपी आए दिन कोचिंग के पास आकर बात करने की कोशिश करता। मना करने पर गाली गलौज कर रहा था। कहा अपने होस्टल जा रही थी इसी दौरान आरोपी पीछे पीछे आया और बुरी नीयत से हाथ पकड़ लिया। जब उसने शोर मचाया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और भाग गया।

पत्नी से मारपीट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। द्वारकापुरी थाना क्षेत्र में एक महिला को उसके पति ने पीट दिया। बताया जाता है कि दोनों की लव मैरिज हुई है। आरोपी ने घरेलू विवाद में उसे पीट दिया। पूजा बामनिया (&0) निवासी ऋषिपैलेस कालोनी की शिकायत पर पति मानसिंह बामनिया के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसने 2021 में मानसिंह से लव मेरिज की थी। पति मानसिंह शराब के नशे में मारपीट कर चुका है। पति घर आया और पारिवारिक बातों को लेकर विवाद करने लगा। विरोध करने पर उसके साथ में मारपीट कर दी। इसमें उसके गाल पर चोट आई है। इधर महू में रहने वाली महिला को शंका के चलते उसके पति ने पीट दिया। रति सोलंकी निवासी कंचन गली की शिकायत पर पति कमलेश के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने पुलिस को बताया कि एक आर्टीफिशियल 'वेलरी बेचने वाले को घर बुलायाथा वह सामान लेकर घर आया था जिससे सामान खरीदा। कुछ देर बाद पति कमलेश घर आ गया तो विवाद करने लगा। उस पर गलत आरोप लगाने लगा। विरोध करने पर उसने उसके साथ मारपीट कर दी। इससे उसके हाथ में चोट आई है।

मंच पर फूट-फूटकर रोए पूर्व नेता प्रतिपक्ष

भिंड के लहार में बोले-कांग्रेस कार्यकर्ता पर जुल्म हो रहे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

आलमपुर,(एजेंसी)। प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के सीनियर लीडर डॉ. गोविंद सिंह मंच पर भावुक हो गए। वे फूट-फूटकर रोने लगे। गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे और फर्जी केस कर रहे हैं।

बता दें कि कांग्रेस ने शुक्रवार को भिंड जिले के लहार में भाजपा सरकार के विरोध में जंगी प्रदर्शन किया। डॉ. गोविंद सिंह ने मंच पर बैठे कांग्रेस नेताओं की तरफ देखकर रोते हुए कहा- आप लोग मेरी मदद भले ना करें, लेकिन जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी के लिए खून-पसीना बहाया है, उन पर हो रहे जुल्म के खिलाफ आप लोग उनकी मदद करें। गोविंद सिंह ने कांग्रेस नेता की एक फोटो भी दिखाई। उनका आरोप है कि पुलिस ने उसकी पिटाई की है।

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा- लहार में अन्याय सिर्फ हमारे साथ ही नहीं, बल्कि आम जनता के साथ भी किया जा रहा है। हमें अपनी परवाह नहीं है, बल्कि कार्यकर्ता की चिंता है। उन्होंने मंच पर बैठे नेताओं से लहार क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

कलेक्टर-एसपी भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे

डॉ. गोविंद सिंह ने आरोप लगाया कि भिंड जिले के कलेक्टर और एसपी अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं। वे अपने पद की गरिमा को खोकर भाजपा के एजेंट बनकर काम कर रहे हैं। कलेक्टर ने जबरन गलत कार्रवाई करते हुए मेरे घर में जबरन 200-300 जवान घुसा दिए।

उन्होंने कहा- अगर हमारे कार्यकर्ताओं पर अत्याचार होगा तो हम शांत नहीं होंगे। हमारे कार्यकर्ता पर अत्याचार होने पर इंकलाब का आगाज होगा।

मुझे धमकी भरा पत्र भेजा, कि अपनी नेतागिरी बंद करो

डॉ. गोविंद सिंह ने एक चिट्ठी का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे एक धमकी भरा हुआ पत्र भेजा गया है कि अपनी नेतागिरी बंद कर दो, तुम्हारी मृत्यु नजदीक है।

मंच पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और विधायक फूल सिंह बरैया समेत कई नेता मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और भिंड कलेक्टर में बहस

कांग्रेस नेताओं ने भिंड कलेक्ट्रेट पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह की कोठी के सीमांकन मामले में प्रदर्शन किया और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को ज्ञापन दिया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कलेक्टर के बीच बहस भी हो गई।

मैगी खाने के बाद तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में मौत

पिता बोले-उल्टी करने के बाद बेहोश हुआ, डॉक्टर ने हार्ट अटैक की आशंका जताई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना,(निप्र)। गुना में एक युवक गुरुवार देर रात 2 बजे उल्टी करने के बाद बेहोश हो गया। परिजन अस्पताल ले गए, जहां ईसीजी के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक हेमंत मीणा (25) के पिता का कहना है कि वो मैगी खाकर सोया था। वहीं, डॉक्टरों ने फूड पॉइजनिंग के बाद हार्ट अटैक की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट वजह सामने आएगी।

परिवार राघौगढ़ का रहने वाला है। उसके पिता शिवनारायण मीणा ने बताया, गुरुवार रात हेमंत ने डिनर में रोटी-सब्जी के साथ बड़ी मात्रा में मैगी भी खाई थी। इसके बाद सभी लोग सो गए। रात करीब 2 बजे वह पानी पीने उठा। अचानक उसे उल्टी हुई। वह बेहोश हो गया। हम उसे गुना जिला अस्पताल ले आए।

पिता को आशंका- मैगी की क्वालिटी खराब हो सकती है

पिता शिवनारायण ने बताया, घर में महीनेभर का राशन इकट्ठा लेकर आते हैं। 15 दिन पहले ही सामान में मैगी का पैकेट भी लाए थे। इसकी क्वालिटी खराब रही होगी। पीएम रिपोर्ट आने के बाद वजह साफ हो जाएगी। पीएम रिपोर्ट में मौत की वजह मैगी पाई जाती है, तो संबंधित कंपनी के खिलाफ कार्रवाई का आवेदन करेंगे।

शिवनारायण ने कहा, हेमंत नौकरी की तलाश कर रहा था। उसकी शादी के लिए लड़की भी देख रहे थे।

डॉक्टर बोले- पीएम रिपोर्ट में स्पष्ट होगी वजह

हेमंत के शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉ. राहुल रघुवंशी ने बताया, शुरूआती जांच में हार्ट अटैक की आशंका लग रही है। विसरा संरक्षित कर जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट सामने आने के बाद कारण स्पष्ट हो सकेगा। फूड पॉइजनिंग के दौरान मरीज को लगातार उल्टी-दस्त हों, तो उसे अटैक की आशंका भी रहती है।

कांग्रेस की रैली में फायरिंग करने वाला बंदूक निकालते दिखा

दो गुटों के वर्चस्व की लड़ाई, कार में प्लानिंग की, फिर चलाई गोली

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

दतिया,(एजेंसी)। दतिया में कांग्रेस की गुटबाजी उनकी ही जन आक्रोश रैली में नजर आई। गुरुवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कार्यक्रम में शामिल होकर शहर से बाहर निकले ही थे कि यहां गोली चल गई। वर्चस्व की लड़ाई में दो गुट आपस में भिड़ गए और एक ने दूसरे पर जानलेवा हमला कर दिया। एक के बाद एक दो गोली चलने से हड़कंप मच गया। काफी गहमा-गहमी के बीच पुलिस ने कांग्रेस के पूर्व युवा जिला अध्यक्ष समेत 6 पर केस दर्ज किया।

घटनाक्रम की पड़ताल की तो मामूली सा दिखने वाला यह विवाद राजनीतिक वर्चस्व का निकलकर सामने आया।

अघोषित बिजली कटौती, महंगाई, बेरोजगारी, पानी और किसानों की समस्याओं को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार दोपहर जिला मुख्यालय पर जन आक्रोश रैली का आयोजन किया था। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी भी इसमें शामिल होने गुरुवार दोपहर में 1 बजे वहां पहुंचे थे। रैली दोपहर में किला चौक से होते हुए पुरानी कचहरी पहुंची, जहां घेराव के बाद पुतला दहन किया गया। साथ ही सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। शाम करीब 4 बजे रैली का समापन हुआ और पटवारी समेत सभी बड़े नेता वहां से रवाना हो गए।

बड़े नेताओं के जाते ही दो गुट आपस में भिड़ गए। अचानक से एक के बाद एक दो गोली चलने की आवाज सुनाई दी। गोली चलते ही अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने एक युवक को पकड़ा और राइफल छीनकर उसे थाने ले गई।

महाकाल लोक में घुसा विधायक बेटे की गाड़ियों का काफिला

एसपी-कलेक्टर ने दौड़ लगाकर रोकीं, चार गाड़ियां जब्त; कांग्रेस विधायक बोले-इससे छवि खराब होती है

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन ,(एजेंसी)। देवास से बीजेपी विधायक गायत्री राजे का बेटा विक्रम सिंह गाड़ियों के काफिले के साथ महाकाल लोक के अनाधिकृत परिसर में घुसा गया। कलेक्टर-एसपी ने जब यह देखा तो उन्होंने दौड़ लगाकर गाड़ियों को रोका और वाहनों को जब्त कर थाने पहुंचा दिया। इस दौरान गाड़ी चालकों से कलेक्टर-एसपी की बहस भी हो गई। यह महाकाल मंदिर की सुरक्षा में बहुत बड़ी चूक है।

शुक्रवार को नागपंचमी पर्व पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु महाकाल मंदिर पहुंच रहे हैं। ऐसे में कुछ मार्गों को एकांकी और कुछ पर गाड़ियों का प्रवेश बंद कर दिया है। शुक्रवार की दोपहर 3:30 बजे देवास विधायक गायत्री राजे का पुत्र विक्रम सिंह पंवार गाड़ियों के काफिले के साथ नीलकंठ द्वार से महाकाल लोक में घुस गया। यहां से महाकाल लोक के कंट्रोल रूम के पास वीआईपी गाड़ियों को रोका जाता है और यहीं से वीआईपी पैदल या ई-कार्ट से मंदिर तक जाते है। लेकिन विधायक पुत्र ने ऐसा नहीं किया और गाड़ियों का काफिला कंट्रोल रूम से ले जाते हुए महाकाल लोक लेकर आ गया। महाकाल लोक के बाद मानसरोवर तक पहुंच गए थे। इस दौरान वहां खड़े सुरक्षाकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने दौड़कर गाड़ियों को रूकवाने की भी कोशिश की थी।

इसी दौरान कंट्रोल रूम में व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे कलेक्टर नीरज सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा के सामने से जब गाड़ियों का काफिला महाकाल लोक तक पहुंच गया तब एसपी-कलेक्टर ने दौड़ लगाकर गाड़ी तक पहुंचे और गाड़ी के ड्राइवर पर जमकर बरसे। गाड़ी ड्राइवर की एसपी और कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए क्लास लगा दी। हालांकि इस दौरान विक्रम राजे महाकाल मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच चुका था।

कलेक्टर बोले-सभी गाड़ियों पर कार्रवाई की जाए

उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने कहा कि गाड़ियों के काफिले ने अनधिकृत प्रवेश किया है। सभी को जब्त कर थाने पहुंचाया गया है। सभी पर चालानी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस विधायक परमार ने कहा- छवि खराब होती है

कांग्रेस विधायक महेश परमार ने घटना को लेकर कहा कि भक्त आठ-आठ घंटे लाइन में लगकर दर्शन कर रहे हैं और बीजेपी विधायक का बेटा गाड़ियों को महाकाल लोक के अंदर तक ले जा रहा है। हालांकि कलेक्टर और एसपी ने एक्शन लेते हुए गाड़ियों को रोक दिया। लेकिन भगवान के मंदिर में इस तरह की घटना से छवि खराब होती है। ये गलत है में इसकी निंदा करता हूं।

लाठी से पीट-पीटकर बाप-बेटे समेत 3 की हत्या

जादू-टोने के शक में दो गुट भिड़े

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

पन्ना,(एजेंसी)। पन्ना में आपसी विवाद में बाप-बेटे समेत 3 लोगों की हत्या कर दी गई। यहां आदिवासी समाज के दो गुट भिड़ गए। हालात संभालने के लिए 4 थानों की पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की वजह टोना-टोटका बताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने इससे इनकार किया है। मामला जिला मुख्यालय से 110 किमी दूर सिमरिया थाना क्षेत्र के कढ़ना गांव में गुरुवार देर रात का है। पन्ना एएसपी आरती सिंह ने बताया कि दोनों गुटों ने एक-दूसरे पर जानलेवा हमला किया, जिसमें अर्जुन सिंह (60) गोविंद सिंह (30), धूप सिंह की हत्या हुई है। अर्जुन और गोविंद बाप-बेटे थे। धूप सिंह इनका साथी था। तीनों की हत्या सिर पर लाठी-डंडे मारकर की गई है। जानकारी लगते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया। गांव छावनी में तब्दील हो गया। शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, पवई एसडीओपी सौरभ रत्नाकर भी मौके पर पहुंच गए। एक आरोपी तिलक सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

संपादकीय

कार्रवाई में तेजी दिखाने के साथ सबूतों को पेश करने में भी गंभीरता जरूरी

पिछले कुछ वर्षों से धनशोधन के आरोपों के तहत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी और सीबीआइ की ओर से छापे या गिरफ्तारियों के मामले सुर्खियों में रहे हैं। इसके अलावा, ऐसे कई मामलों में होने वाली कार्रवाइयों की जैसी प्रकृति देखी गई, उसमें अब ईडी को विपक्ष की आवाज को दबाने का औजार बनाए जाने के आरोप भी लगने लगे हैं। इस मसले पर खुद सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी प्रवर्तन निदेशालय को एहतियात बरतने या हिदायत देने की कोशिश हो चुकी है। मगर आज भी ऐसे आरोपों में साक्ष्यों को लेकर शायद गंभीरता नहीं आ पाई है या फिर इसमें एक परिपक्व दृष्टि का अभाव दिखता है। शायद यही वजह है कि बुधवार को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने धनशोधन के मामलों में दोषसिद्धि की बहुत कम दर का हवाला देते हुए ईडी से अभियोजन और साक्ष्य की गुणवत्ता पर ध्यान देने को कहा। यह छिपा नहीं है कि बीते कुछ समय से धनशोधन के आरोपों में छापा या फिर गिरफ्तारी के लगातार मामले सामने आ रहे हैं, मगर उनमें से बहुत कम मामलों में आरोप साबित हो रहे हैं। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को दोषसिद्धि की दर को बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक जांच करने की सलाह दी। दरअसल, पहले भी धनशोधन के आरोप पर होने वाली कार्रवाइयों को लेकर कई तरह के सवाल उठते रहे हैं और बिना मजबूत साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तारी के मामलों की विश्वसनीयता कसौटी पर रही है। इसके बावजूद लगातार इस तरह के आरोप में छापे या गिरफ्तारी के मामले सामने आए। हकीकत यह है कि धनशोधन के मामले में गैरकानूनी गतिविधियों के आरोप के साथ ईडी ने कार्रवाई करने में जितनी हड़बड़ी दिखाई, उतनी ही शिद्दत से आरोपों को साबित करने के लिए साक्ष्य पेश नहीं किए। नतीजतन, ऐसे मामलों में दोषसिद्धि की दर काफी कम रही। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को लोकसभा में यह जानकारी दी कि ईडी ने सन 2014 से लेकर 2024 के बीच धनशोधन निवारण अधिनियम यानी पीएमएलए के तहत कुल पांच हजार दो सौ सत्तानबे मामले दर्ज किए, लेकिन इनमें से सिर्फ चालीस आरोपों में ही दोष सिद्ध हो सका। सवाल है कि इतनी बड़ी तादाद में दर्ज होने वाले मामलों की बुनियाद में सबूतों का आधार कितना ठोस था और किन वजहों से प्रवर्तन निदेशालय पर पूर्वाग्रहों से ग्रस्त होकर कार्रवाई करने के आरोप लगते हैं! अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि शीर्ष अदालत को यह कहने की जरूरत पड़ी कि जिन मामलों में प्रथम दृष्टया मामला बनता है, प्रवर्तन निदेशालय को उन्हें अदालत में साबित करने की जरूरत है। अदालत की यह टिप्पणी यही दर्शाती है कि जिस तेजी से धनशोधन के मामलों में ईडी ने कार्रवाई किए, उसे साबित करने को लेकर उसके भीतर कोई गंभीरता नहीं दिखी। इसकी क्या वजहें हो सकती हैं?

(ऋग्वेद.१.१.३.)

श्रा.शु.षष्ठी.शनिवासरः
सचस्वा नः स्वस्तये।।

अर्थात् : हे प्रभो! आप हमें इहलौकिक और पारलौकिक कल्याण के साथ संयुक्त कीजिए।

शेख चिल्ली की कहानी: चला ससुराल

बहुत समय पहले की बात है एक गांव में शेखचिल्ली नाम का एक युवक रहता था। उसके पिता का बचपन में ही देहांत होने के बाद उसकी मां ने उसे अकेले ही पाल-पोसकर बड़ा किया था। शेखचिल्ली बेहद चुलबुले स्वभाव का था, लेकिन दिमाग से मूर्ख था। एक तो वह और उसकी मां गरीबी में दिन काट रहे थे और ऊपर से उसकी मूर्खता के कारण उसकी मां को आए दिन लोगों की जली कटी बातें सुननी पड़ती थी। लोगों के तानों से परेशान होकर एक दिन शेखचिल्ली की मां ने उसे घर से निकाल दिया।

घर से निकाले जाने के बाद उसके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं था। कुछ दिनों तक यूं ही भटकते-भटकते वह पड़ोस के दूसरे गांव में जा पहुंचा। गांव के लोगों से वहां रहने के लिए अनुमति लेकर उसने गांव के पास ही अपने लिए एक झोपड़ी बना ली।

शेखचिल्ली का स्वभाव बेहद नटखट व चुलबुला था, इसलिए देखते ही देखते वह गांव वालों से घुल-मिल गया। गांव के सभी लोग उसे खूब पसंद करने लगे। शेख गांव वालों का छोटा-मोटा काम कर देता और उसके बदले में वे उसे राशन व अन्य सामान देते, जिससे उसका गुजारा चल जाता। शेखचिल्ली बातें बनाने में भी माहिर था इसलिए गांव के कुछ लड़के उसके शागिर्द की तरह हमेशा उसके आगे-पीछे घूमते रहते थे।

उस गांव के मुखिया की एक बेटी थी, जो देखने में बेहद सुंदर थी। शेखचिल्ली की बातों और उसकी लोकप्रियता से प्रभावित होकर मुखिया की बेटी उसे पसंद करने लगी थी। अपनी बेटी की इच्छा को देखते हुए मुखिया ने शेखचिल्ली से उसकी शादी करा दी और साथ में संदूक भर कर आभूषण, रुपए व अन्य सामान देकर बेटी को विदा किया।

शादी के बाद अपनी पत्नी को लेकर शेखचिल्ली अपने गांव लौट आया और सीधे अपनी मां से मिलने घर पहुंचा। उसने मां को पूरी कहानी सुनाते हुए अपनी पत्नी को मां से मिलवाया और शादी में मिले सारे सामान को उन्हें सौंप दिया। शेखचिल्ली की मां ने दोनों का घर में खुशी-खुशी स्वागत किया, लेकिन मन ही मन में वह जानती थी कि शेख कोई काम नहीं जानता और मुखिया की बेटी से उसकी शादी किस्मत से हुई है।

इसी तरह कई महीने बीत गए और एक दिन शेखचिल्ली की पत्नी अपने मायके वालों से मिलने अपने गांव चली गई। देखते ही देखते उसकी पत्नी को मायके गए हुए एक साल से अधिक समय बीत गया, लेकिन न तो वह वापस आई और न ही कोई संदेश भेजा। शेखचिल्ली को अब पत्नी की चिंता सताने लगी थी। ऐसे में उसने अपनी मां से कहा कि वह अपनी पत्नी को वापस लाने जाना चाहता है।

साथ ही उसने कहा कि वह अपने ससुराल जाने का रास्ता भूल गया है। उसने मां से गुजारिश की कि वह उसे उसकी पत्नी के गांव पहुंचने का रास्ता बताए। उसकी मां जानती थी कि शेखचिल्ली मूर्ख है, इसलिए उसने उससे कहा कि 'अगर तू अपनी नाक की सीध में सीधा चलता जाएगा, तो अपने ससुराल पहुंच जाएगा और इस दौरान तुझे यहां-वहां नहीं मुड़ना है।'

शेखचिल्ली की मां ने रास्ते के लिए कुछ खाने का सामान गठरी में बांध दिया और उसे ससुराल की ओर विदा किया। अपनी मां के कहे अनुसार वह अपनी नाक की सीध में चलता गया। रास्ते में उसे कईं चट्टान, झाड़ियां व पेड़ और एक नदी मिली, जिन्हें उसने बिना अपना रास्ता मोड़े बड़ी मुश्किल से पार किया। इसी तरह चलते-चलते 2 दिन बाद शेखचिल्ली अपने ससुराल पहुंच ही गया।

उसके ससुराल पहुंचने पर सभी लोग बड़े खुश हुए और उसका स्वागत करने लगे। उसके ससुराल वालों ने उसे खाने-पीने के लिए कईं पकवान व शीतल पेय परोसे। इतना सबकुछ सामने होने के बाद भी उसने किसी को हाथ भी न लगाया और अपनी मां द्वारा गठरी में बांधे खाने को ही खाया, क्योंकि उसकी मां ने उसे केवल वही खाने के लिए कहा था।

उसके बाद शेखचिल्ली ऐसे ही खाली पेट सो गया था, लेकिन रात को उसे जोरों की भूख सताने लगी। जब भूख सहन से बाहर होने लगी तो वह रात को ही घर से बाहर निकल गया और एक मैदान के पास पेड़ के नीचे लेट गया। उस पेड़ पर मधुमक्खियों ने छत्ता बनाया हुआ था, जिससे शहद की बूंदे टपक रही थीं। शेखचिल्ली करवटें बदल-बदल कर पेड़ के नीचे ही सोता रहा और शहद की बूंदें उसके शरीर पर टपकती रहीं।

देर रात को परेशान होकर वह उठकर वापस अपने ससुराल पहुंचा और घर के पास ही बनी एक कोठरी में जाकर सो गया। कोठरी में रूई के गोले रखे थे, जो शेखचिल्ली के पूरे शहद लगे शरीर से चिपक गए। रूई की गर्माहट से उसे जल्द ही गहरी नींद आ गई। सुबह जब शेख की पत्नी रूई लेने के लिए कोठरी में घुसीं तो रूई में लिपटे शेखचिल्ली को देखकर वह डर गई और जोर-जोर से चिल्लाने लगीं। चीखने की आवाज सुनकर शेख की नींद टूट गई और वह जोर से उसे डांटते हुए 'चुप, चुप' कहने लगा। उसकी आवाज सुनते ही उसकी पत्नी कोठरी से बाहर भाग गई और शेख दोबारा सो गया।

कुछ देर बाद उसकी पत्नी ने परिवार के अन्य लोगों को भी बुलाकर कोठरी में ले आई। कोठरी में रूई में लिपटा शेखचिल्ली बेहद डरावना लग रहा था। घरवालों ने एकजुट होकर उससे पूछा कि वह कौन है, तो शेखचिल्ली दोबारा जोर-जोर से 'चुप, चुप' चिल्लाने लगा। घरवालों को लगा कि वह कोई भूत है और सभी वहां से दुम-दबाकर भाग निकले।

घरवालों ने शेखचिल्ली, जिसे वे भूत समझ रहे थे उसे कोठरी से भगाने के लिए एक ओझा को बुलाया। ओझा द्वारा काफी देर तक तंत्र-मंत्र करने पर भी जब कोठरी से वह बाहर नहीं निकला, तो ओझा ने मुखिया के परिवार को जल्द से जल्द घर खाली करने और किसी दूसरे मकान में जाने की सलाह दी। ओझा की बात मानकर सभी घरवाले तुरंत दूसरे घर में चले गए और उसे खाली कर दिया।

दिन में तो शेखचिल्ली कोठरी से बाहर नहीं निकल पाया, तो रात होते ही वह कोठरी से बाहर भाग निकला। भागते हुए वह एक किसान के घर के पास पहुंचा, जिसके आंगन में बहुत सारी भेड़ें बंधी हुई थीं। शेखचिल्ली को अंधेरे में कोई आता दिखाई दिया तो वह छिपने के लिए भेड़ों के बीच बैठ गया। जिन्हें देखकर शेखचिल्ली छिपा था वो दरअसल चोर थे, जो किसान की भेड़ें चुराने आए हुए थे। चोरों ने एक-एक कर कईं भेड़ों को उठाया और आंगन से निकल कर जाने लगे। उनमें से एक चोर ने रूई में लिपटे शेखचिल्ली को भेड़ समझकर उसे भी कंधे में उठा लिया और चलता बना।

भेड़ों को लेकर भागते हुए चोर नदी के पास पहुंचे इतने में सुबह होने लगी, तो चोर भेड़ों को वहीं छोड़कर भागने लगे। इतने में चोर के कंधे पर लेटा शेखचिल्ली कहने लगा कि मुझे जरा धीरे से उतारना। भेड़ को बोलता समझकर चोरों को लगा कि वह जरूर कोई दैत्य है, जो भेड़ का रूप धारण किए हुए है। चोर डर के मारे शेखचिल्ली को नदी में फेंक कर वहां से भाग गए।

नदी के पानी से शेखचिल्ली के शरीर पर चिपकी हुई रूई और शहद पूरी तरह से धुल गया। खुद को पानी में अच्छे से साफ कर वह सीधा अपने ससुर के पास पहुंचा और अंजान बनकर उनसे पुराने घर को खाली करने का कारण पूछने लगा। मुखिया ने उसे 'चुप-चुप' वाले दैत्य की पूरी बात बताई। मुखिया की बात सुनकर शेखचिल्ली मन ही मन में बहुत खुश हुआ और अपने ससुर से कहने लगा कि वह उस घर से भूत को भगा सकता है।

शेखचिल्ली की बात मानकर मुखिया पूरे परिवार के साथ पुराने घर में पहुंचा। जहां शेख कोठरी के सामने भूत को भगाने के लिए मंत्रोच्चारण करने का नाटक करने लगा। कुछ देर बाद उसने अपने ससुर से कहा कि वह भूत अब यहां से भाग गया है और वेलोग फिर से इस घर में रह सकते हैं। उसकी बातें सुनकर मुखिया बेहद खुश हुआ और पूरा परिवार दोबारा से अपने घर लौट आया। मुखिया व उसके परिवार ने शेखचिल्ली की बड़ी खातिरदारी की।

ससुराल में कई दिन बिताने के बाद शेखचिल्ली ने एक दिन अपने ससुर से कोई कारोबार करने की इच्छा जताई। उसकी बात सुनकर उसके ससुर ने उसे जंगल से लकड़ियां लाकर व्यापार करने के लिए एक बैलगाड़ी खरीद कर दी। शेखचिल्ली जब लकड़ियां लेने के लिए जंगल जाने लगा तो रास्ते में उसकी बैलगाड़ी के पहिए से घर्षण की आवाज आने लगी। उसे लगा कि पहले ही दिन बैलगाड़ी आवाज कर रही है तो यह जरूर कुछ बुरा होगा। इसलिए उसने अपने आरी से बैलगाड़ी के पहियों को काटकर फेंक दिया और पैदल जंगल की ओर चल पड़ा।

जंगल में शेखचिल्ली ने काटने के लिए मोटे पेड़ को चुना। पेड़ के तने भी काफी मोटे-मोटे थे तो उसे काटने के लिए वह पेड़ के ऊपर चढ़ गया। अपनी मूर्खता की वजह से वह जिस डाल पर बैठा था उसे ही काटने लगा। इतने में एक बुजुर्ग शख्स जो जंगल के रास्ते से गुजर रहा था, शेखचिल्ली को देखकर रूक गया। उसने उसे आवाज देते हुए कहा कि वह डाल को न काटे वरना वह भी नीचे गिर जाएगा। शेख ने उस आदमी की बात को सुनकर भी अनसुना कर दिया और जोर-जोर से डाल काटने लगा। कुछ देर बाद डाल के साथ वह भी जमीन पर गिर गया।

शेखचिल्ली को लगा कि वह बुजुर्ग जरूर कोई अंतर्यामी है जिसे भविष्य दिखाई देता है। उसने बुजुर्ग से पूछा कि क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मेरी मौत कब होगी? उस बुजुर्ग ने शेख को बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन जब उसे लगा कि वह ऐसे पीछा नहीं छोड़ेगा, तो उसने पीछा छुड़ाने के लिए उससे कहा कि 'तेरे भाग्य में आज शाम को ही मरना लिखा है।'

बुजुर्ग की बात सुनकर शेखचिल्ली डर गया और सोचने लगा कि अगर आज शाम को मुझे मरना ही है तो क्यों ना मैं पहले ही अपने लिए कब्र खोद लूं और मौत का इंतजार करूं। ऐसा सोचकर उसने जंगल में ही एक बड़ा सा गड्ढा खोद लिया और उसमें लेटकर शाम होने का इंतजार करने लगा। इतने में शेखचिल्ली को वहां से एक शख्स गुजरता दिखाई दिया जिसके हाथ में एक बड़ा सा मटका था। वह आदमी आवाज लगाते जा रहा था कि अगर कोई व्यक्ति मटके को उसके घर तक पहुंचा देगा तो वह उसे पैसे देगा।

शख्स की आवाज सुनकर शेखचिल्ली जल्दी से गड्ढे से बाहर निकला और उससे कहा कि वह मटके को उसके घर तक छोड़ देगा। उस व्यक्ति ने भी मटका शेख को पकड़ा दिया और दोनों जंगल से बाहर निकलने लगे। मटके को सिर पर उठाए शेखचिल्ली सोचने लगा कि इस मटके को शख्स के घर पहुंचाने के बाद अगर उसे 1 पैसा भी मिलता है, तो वह उससे एक अंडा खरीदेगा।

शेखचिल्ली सोचने लगा कि उस एक अंडे से मुर्गी पैदा होगी और मुर्गी जो अंडे देगी उससे दर्जनों अंडे फिर दर्जनों मुर्गियां होंगी। उन्हें बेचकर वह एक बकरी खरीद लेगा। बकरी दूध के साथ-साथ कई बकरियों को पैदा करेगी, जिन्हें बेचकर वह एक गाय खरीद लेगा और एक गाय से उसके पास दर्जनों गाय हो जाएंगी। शेखचिल्ली ने अपने ख्यालों में ही गायों को बेचकर घोड़े खरीदने और फिर उन्हें बेचकर मिले रुपए से मकान बनाने की योजना बना ली।

शेखचिल्ली सोचने लगा, ''मैं घोड़े पर सवार होकर बड़े ठाठ से नगर की सैर करूंगा। हमारे नए घर में मैं और मेरी पत्नी और हमारे हमारे बच्चे रहेंगे। मैं ठाठ से घर के आंगन में बैठकर हुक्का पिउंगा और बच्चे जब मुझे खाना खाने के लिए बुलाएंगे तो मैं ना में सिर हिला दूंगा।'' अपने ख्यालों की दुनिया में ही खोए शेखचिल्ली ने जैसे ही ना करते हुए जोर से सिर हिलाया मटका उसके सिर से जमीन पर गिरकर टूट गया। मटके के टूटते ही उसके अंदर का सारा सामान मिट्टी में बिखर गया। यह देखकर उस व्यक्ति को बहुत गुस्सा आया और उसने शेख को खूब भला बुरा कहा और बिना पैसे दिए वहां से चला गया। शेखचिल्ली काफी देर तक सिर पकड़े जमीन पर टूटे मटके को देखते हुए अपने टूटे सपने के बारे में सोचता रहा।

कहानी से सीख

कभी भी किसी चीज के लालच में आकर ख्याली पुलाव नहीं पकाने चाहिए। किसी चीज को पाने का लालच और मेहनत न करने से कुछ हासिल नहीं होता, बल्कि उल्टा और नुकसान ही होता है।

Bihar

तस्करों के पास मिला करोड़ों का रेडियोएक्टिव कैलिफोर्नियम Nuclear Reactor में लगता है ये मैटेरियल

गोपालगंज, (एजेंसी) बिहार के गोपालगंज जिले में पुलिस ने तीन तस्करों को पकड़ा है, जिनके पास करोड़ों रुपये की कीमत का 50 ग्राम रेडियोएक्टिव पदार्थ मिला है. इसका इस्तेमाल परमाणु रिएक्टर (Nuclear Reactor) में होता है. इस मामले की जानकारी मिलने के बाद पूरे महकमे में हड़कंप मच गया. गोपालगंज पुलिस ने इसकी जानकारी परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधिकारियों को दी है.

एजेंसी के अनुसार, गोपालगंज में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके बाद कुचायकोट पुलिस स्टेशन एरिया में बलथारी इलाके से तीन लोगों को पकड़ा गया. पूछताछ कर उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास

50 ग्राम रेडियोएक्टिव पदार्थ 'कैलिफोर्नियम' मिला. उनके पास से चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं.

पुलिस ने बयान में कहा है कि कैलिफोर्नियम की जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट को बुलाया है. सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस रेडियोएक्टिव पदार्थ का उपयोग परमाणु रिएक्टरों को शुरू करने, कोयला बिजली संयंत्रों में, कैंसर के इलाज और तेल की ड्रिलिंग के लिए किया जाता है.

इस मामले को लेकर एसपी की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि संदिग्ध 50 ग्राम Californium रेडियोएक्टिव पदार्थ के साथ 3 तस्कर अरेस्ट किए गए हैं. गुप्त सूचना पर कुचायकोट थाने, DIU टीम, SOG-7 व STF ने बलथरी चेक पोस्ट पर छापेमारी की थी.

New Delhi

SC-ST आरक्षण में नहीं होगा क्रीमी लेयर, सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर केंद्र सरकार ने साफ किया रुख

नई दिल्ली, (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में संविधान में दिए गए एससी और एसटी के लिए आरक्षण के उप-वर्गीकरण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर विस्तृत चर्चा हुई. बैठक में स्पष्ट किया कि डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण प्रणाली में "क्रीमी लेयर" का प्रावधान नहीं है. ऐसे में अंबेडकर के संविधान के मुताबिक ही आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए.

दरअसल कैबिनेट में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर चर्चा हुआ हुई. कैबिनेट का मत था कि एनडीए सरकार अंबेडकर के बनाए संविधान को लेकर प्रतिबद्ध है और एससी एसटी में कोई क्रीमीलेयर का प्रावधान नहीं है. मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एससी-एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले से शुरू हुई हालिया बहस के बारे में बात की.

वैष्णव ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के संबंध में निर्णय सुनाया था और एससी-एसटी आरक्षण के संबंध में सुझाव दिया था. मंत्रिमंडल में इस पर विस्तृत चर्चा हुई. एनडीए सरकार बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान के प्रति कटिबद्ध है. बीआर अंबेडकर के संविधान के अनुसार एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर का कोई प्रावधान नहीं है.'उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण संवैधानिक दिशानिर्देशों के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए. यह पूछे जाने पर कि क्या यह मुद्दा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री या प्रधानमंत्री द्वारा उठाया गया था, वैष्णव ने कहा

Bihar

बिहार में ट्रिपल मर्डर से कोहराम, घर में सो रहे पति-पत्नी और 8 साल की बेटी की हत्या; बेटे को भी काटा

बेगूसराय, (एजेंसी) बिहार के बेगूसराय में ट्रिपल मर्डर की सनसनीखेज वारदात से कोहराम मच गया है। मरने वाले एक ही परिवार के हैं। हत्यारे ने घर में सो रहे पति, पत्नी और बेटी को मौत के घाट उतार दिया। एक बेटे को मारने की कोशिश की जो गंभीर रूप से घायल है। घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रसीदपुर पंचायत के चक्का वार्ड संख्या 12 की है। बछवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंच मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है। मृतक के घर पर आस पास के कई गांवों के लोग जुट जाने से काफी भीड़ जमा हो गई है। परिवार को लोगों का रो रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक बेगूसराय के बछवाड़ा में सोए हुए अवस्था में पति- पत्नी और मासूम बच्ची को अज्ञात हत्यारे ने धारदार हथियार से काट दिया। बताया जाता है कि पूरा परिवार खाना कर सो गया था। देर रात उनका गला और सिर कुचल दिया गया। यह भी कहा जा रहा है कि गले को काटा गया है। घटना स्थल पर काफी खून पसरा है। बदमाशों ने मृतक के बेटे को भी मारने की कोशिश की। उसकी हालत नाजुक है। गांव वालों ने उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है जहां इलाज चल रहा है।

Uttarpradesh

ई-मेल हैक कर बैंक में साइबर अपराधियों ने डलवा दिया अपना नंबर, 48 घंटे में एक खाते से उड़ाए 78 लाख

आगरा, (एजेंसी) आगरा के सूर्य नगर (हरीपर्वत) निवासी जूता कारोबारी निमित मगन साइबर क्राइम का शिकार हो गए। साइबर अपराधियों ने एचडीएफसी बैंक स्थित उनकी फर्म के खाते से दो दिन में 77.93 लाख रुपये निकाले। रकम कई खातों में ट्रांसफर की गई। उनसे मुंबई और पटना में सोने के जेवरात खरीदे गए। साइबर थाना पुलिस ने थाणे (महाराष्ट्र) से एक आरोपित को पकड़ा है। फिलहाल बरामदगी कुछ नहीं हुई है।

शातिरों के एक दर्जन से अधिक खाते फ्रीज कराए गए हैं। सोने के जेवरात कहां गए यह पकड़े गए आरोपित को नहीं पता था। एसीपी हरीपर्वत आदित्य ने बताया कि निमित मगन की एमएस श्राफ सेल्स कॉरपोरेशन के नाम से फर्म है। फर्म का खाते से सात व आठ जुलाई को ऑनलाइन 77.93 लाख रुपये निकल गए थे। जानकारी होने पर पीड़ित कारोबारी ने पुलिस से शिकायत की।

साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया।

एसीपी ने बताया कि पुलिस को छानबीन में पता चला कि शातिरों ने बैंक में रजिस्टर्ड ईमेल आईडी को हैक किया। उससे बैंक को रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर बदलने के लिए मेल किया। बैंक ने नया नंबर रजिस्टर्ड कर लिया। उस नंबर पर खाते से संबंधित ओटीपी आए। ऑनलाइन रकम कई खातों में ट्रांसफर की गई। ट्रांसफर के बाद रकम को निकाल भी लिया गया।

खेल

कांस्य पदक जीतकर स्वदेश लौटी भारतीय हॉकी टीम

ढोल-नगाड़ों से दिल्ली एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

नई दिल्ली, (एजेंसी) पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार को स्वदेश लौट आई। दिल्ली एयरपोर्ट पर भारतीय खिलाड़ियों का ढोल-नगाड़ों से भव्य स्वागत हुआ। भारतीय खिलाड़ियों के इंतजार में फैंस सुबह से ही एयरपोर्ट के बाहर जमा हो गए थे।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने वापसी के बाद दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर जमकर जश्न मनाया। ढोल-नगाड़ों की थापों पर सब जमकर थिरके और पदक जीतने की खुशी मनाई। इस दौरान हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने पीआर श्रीजेश के समापन समारोह में ध्वजवाहक चुने

जाने पर बात की। उन्होंने कहा, 'वह (पीआर श्रीजेश) इसके हकदार थे (ओलंपिक के समापन समारोह में ध्वजवाहक बनने के लिए)। अगर भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक समिति ने उन्हें यह अवसर दिया है, तो हॉकी इंडिया उनका शुक्रिया अदा करता है... यह एक शानदार जीत थी, लगातार दो पदक जीतना एक बड़ी उपलब्धि है। लेकिन, हमारा लक्ष्य फाइनल खेलना था, लेकिन रेफरी की गलती से अमित रोहिदास को बाहर बैठाने की वजह से हमें हार का सामना करना पड़ा और इसलिए हम कांस्य पदक के साथ यहां हैं, अन्यथा पदक का रंग बदल दिया जाता।'

भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल का पदक का सूखा समाप्त किया था और मनप्रीत सिंह की अगुआई में कांस्य पदक जीता था। पेरिस में भारत ने अपने पदक को बरकरार रखा। भारत ने कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हरा दिया। इससे पहले सेमीफाइनल में भारत को जर्मनी के हाथों 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत ने 1980 में मॉस्को ओलंपिक के बाद से इन खेलों में अब तक स्वर्ण नहीं जीता है।

ओलंपिक में जिस खेल में भारत को सबसे ज्यादा सफलता मिली है वो हॉकी ही है। भारत अब तक हॉकी में कुल 13 पदक जीत चुका है जिसमें आठ स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

सिनेमा

'सेहत की बात करके मैं मौत को नहीं बेच सकता', पान मसाला एंडॉर्स पर बोले जॉन अब्राहम

एक्टर जॉन अब्राहम, आजकल फिल्म 'वेदा' के प्रमोशन्स में बिजी चल रहे हैं. हाल ही में एक्टर, The Ranveer Show पॉडकास्ट में आए. यहां जॉन ने अपनी पर्सनल से लेकर प्रोफेशनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की. जॉन ने बताया कि वो जैसे रियल लाइफ में हैं, उसी तरह से वो आम लोगों से भी बात करना प्रिफर करते हैं. वो अपने अंदर दो इमेज नहीं रखते.

जॉन ने बताया कि वो बाकी के एक्टर्स की तरह बिल्कुल नहीं जो बातें तो हेल्दी लाइफस्टाइल की करते हैं, लेकिन काफी अनहेल्दी खाना रियल लाइफ में खाते हैं. तंबाकू के ऐड करते हैं और इस तरह की ब्रैंड्स को एंडॉर्स करके पैसा भी कमाते हैं. जॉन ने कहा- अगर मैं अपनी जिंदगी को सच्चाई के साथ जियूंगा तो मैं शायद कुछ लोगों के लिए रोल मॉडल बन पाऊं. पर अगर मैं पब्लिक में अपनी फेक पर्सनैलिटी को दिखाऊंगा और पीछे पीछे अलग ढंग से बिहेव करूंगा तो सबको पता चल जाएगा. इसलिए दो तरह की इमेज क्यों जीनी हैं. जो हो वो रहो न. जॉन ने उन सितारों के बारे में भी बात की जो कई प्लेटफॉर्म्स पर हेल्दी लिविंग का बखान करते हैं, लेकिन पान मसाला ऐड करते हैं. सिर्फ यही नहीं, मुझे तो माउथ फ्रेशनर्स से भी परेशानी है.

Highlights

1. **Owaisi asks EAM about Indians in Russia Army, he says 'Don't jump the gun'**
2. **Blood samples of Porsche crash accused teen's friends were also swapped, court told**
3. **Sisodia shares selfie with wife, says 'Having 1st morning tea of Independence'**
4. **People I served for 45 yrs didn't listen: BJP's Kirodi on resigning**
5. **Rave party organised by college students busted at Noida society**

Equity fund inflows fall 9% to ₹37,113 crore in July, SIP book at record high

NEW DEIHI, (Agency). Open-ended equity mutual fund inflows fell 8.61 per cent to ₹37,113.39 crore during July owing to a fall in investments in large-cap and mid-cap funds, as per the data released by the Association of Mutual Funds of India (AMFI).

Earlier, inflows into equity mutual funds surged by 17 per cent to ₹40,608.19 crore in June to a record high. Monthly gross systematic investment plan (SIP) inflows hit a fresh record high of ₹23,332 crore during July. These were at ₹21,262 crore in June.

Feroze Azeez, Deputy CEO, Anand Rathi Wealth Limited, said, "Multicap funds have consistently attracted more inflows over the past three months, reaching ₹7,080 crore in Jul 24. Midcap funds, however, saw slower inflows this month, while small caps brought in nearly the same amount as in June 2024, around ₹2,000 crore. Surprisingly, large-cap funds haven't seen higher inflows compared to June 2024, but dividend yield funds, which are large-cap oriented, recorded comparatively higher inflows at ₹630 crore against ₹520 crore last month."

He added, "SIP numbers hit a new peak at ₹23,332 crore, reflecting the resilience of domestic investors and their strong faith in the fundamentals of the Indian economy."

Airfares are back in the spotlight, but what exactly is happening?

NEW DEIHI, (Agency). This parliament session has seen renewed interest by parliamentarians in both houses towards rising airfares. Questions ranging from higher airfares to the gulf as well as domestic routes were a routine across party lines in both houses of the parliament.

Interestingly, when the new civil aviation minister took charge, one of the first things he said was to focus on affordable fares and curbing high fares.

Airfares are highly dynamic in nature and largely a function of demand and supply in the market. Yet, the government holds the right to regulate them, as they had during the post-pandemic times with a floor price and a ceiling price. As of today, the government has said that it has no plans to regulate the airfares.

As we head into a long weekend next week, airfares are on the rise again. Fares to Goa from Delhi, start at ₹24,000 return for a 15th August (Independence Day) departure and return on 19th August (Raksha Bandhan).

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक